



भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी





भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी Geospatial Technology-GT

GT किसी स्थान (स्थिर या गतिशील) से जुड़ी जानकारी को ग्रहण/भंडारण/प्रसंस्करण/प्रदर्शित/प्रसारित करने की प्रक्रिया को सुगम बनाता है।

GT के अंतर्गत आने वाली प्रौद्योगिकियाँ

- ◆ सुदूर संवेदन/रिमोट सेंसिंग-सामान्यतः उपग्रह या विमान से किसी क्षेत्र की भौगोलिक विशेषताओं का पता लगाना/निगरानी करना
- ◆ वैश्विक स्थान-निर्धारण प्रणाली/ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS)- भूमि पर किसी वस्तु की स्थिति निर्धारित करने के लिये एक उपग्रह नेविगेशन प्रणाली
- ◆ भौगोलिक सूचना प्रणाली/ग्लोबल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (GIS)- पृथ्वी की सतह पर स्थिति से संबंधित डेटा को ग्रहण करने, संग्रहीत करने और प्रदर्शित करने के लिये कंप्यूटर सिस्टम
- ◆ 3-D मॉडलिंग-किसी वस्तु या सतह का त्रि-आयामी (Three-dimensional) निरूपण

GT के अनुप्रयोग

- ◆ जलवायु परिवर्तन तथा आपदा प्रबंधन (उदाहरण-अग्निम चेतावनी)
- ◆ पृथ्वी अवलोकन क्षमताएँ (उदाहरण-वनस्पति, जल गुणवत्ता)
- ◆ स्वास्थ्य देखभाल (उदाहरण-संपर्क अनुरेखण/कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की निगरानी)
- ◆ सामाजिक समस्याएँ (उदाहरण-शिक्षा, आजीविका, वित्तीय समावेशन)
- ◆ लॉजिस्टिक्स (उदाहरण-वस्तुओं/माल की ट्रैकिंग)
- ◆ रियल एस्टेट (उदाहरण-दूर से रियल एस्टेट प्रयोजनों का विश्लेषण)

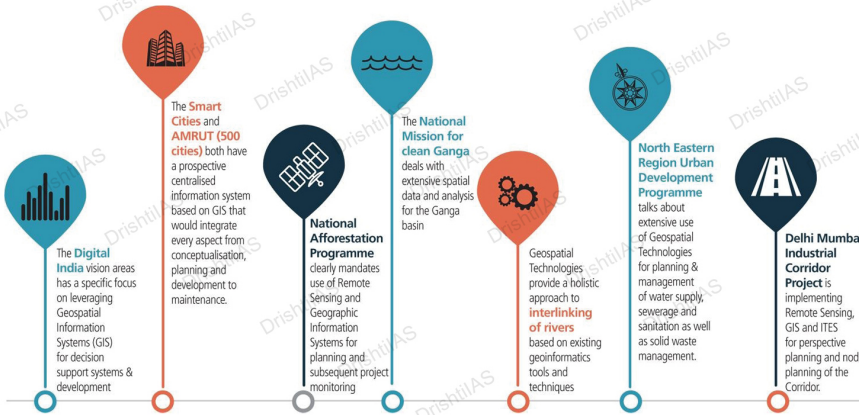
भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति

भू-स्थानिक अर्थव्यवस्था

- ◆ वर्ष 2025 तक ₹ 63,000 करोड़ पार करने की उम्मीद
- ◆ 12.8% की वृद्धि दर

राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति

- ◆ भू-स्थानिक डेटा संवर्द्धन और विकास समिति (शीर्ष निकाय का गठन किया जाएगा)
- ◆ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग GT के लिये नोडल विभाग होगा; GDPDC विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को अपनी सिफारिशें भेजेगा



लक्ष्य

- ◆ वर्ष 2030 तक-उच्च विभेदन क्षमतायुक्त स्थलाकृतिक सर्वेक्षण और मानचित्रण
- ◆ वर्ष 2035 तक-नेशनल डिजिटल ट्विन-प्रमुख शहरों/कस्बों की आभासी प्रतिकृति

[और पढ़ें...](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/geospatial-technology-2>

